

**HINDI SECOND ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER II**

**MARKING GUIDELINES**

Time: 2 hours

100 marks

---

**These marking guidelines are prepared for use by examiners and sub-examiners, all of whom are required to attend a standardisation meeting to ensure that the guidelines are consistently interpreted and applied in the marking of candidates' scripts.**

**The IEB will not enter into any discussions or correspondence about any marking guidelines. It is acknowledged that there may be different views about some matters of emphasis or detail in the guidelines. It is also recognised that, without the benefit of attendance at a standardisation meeting, there may be different interpretations of the application of the marking guidelines.**

---

## भाग क

### प्रश्न एक

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर २५-३० पंक्तियों का निबन्ध लिखिए ।

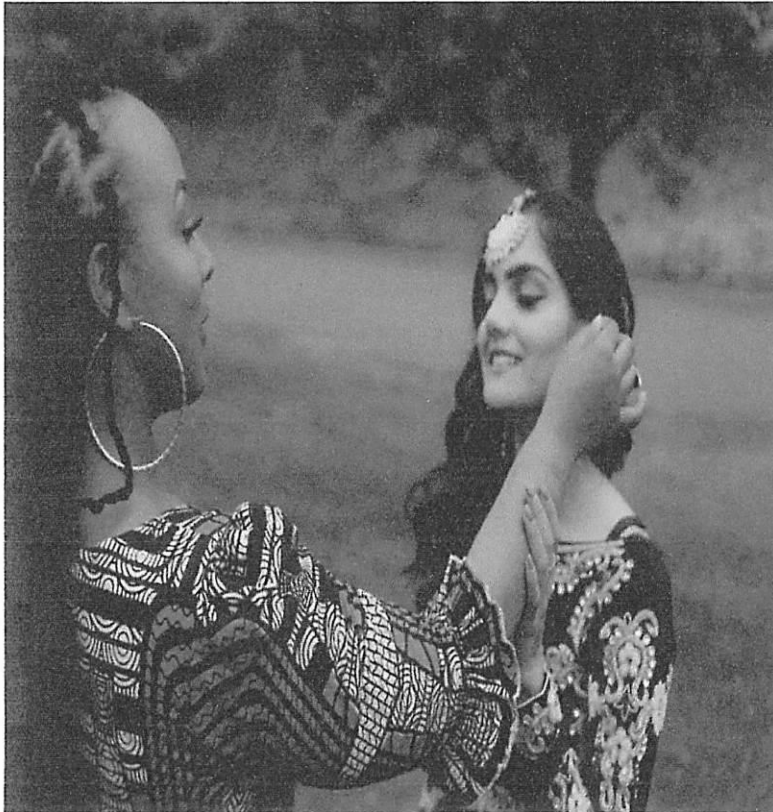
१.१ मातृ देवो भव

१.२ मेरा एक भूल . . . . .

१.३ मिठाइयों, नए कपड़े . . . . .

१.४ आग

१.५ निम्नलिखित चित्र पर निबन्ध लिखिए । निबन्ध का उचित शीर्षक दीजिए



[Indian Cultural Pictures]

Criteria	Maximum marks	Learner's mark
Introduction: introduce topic, set out main ideas in a logical sequence	5	
Originality: is the presentation original; ideas and opinions expressed are one's own	15	
Language usage: spelling, grammar, tenses, etc.	5	
Conclusion: summing up of the main ideas	5	
Total	30	

## भाग ख

### प्रश्न दो

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन का उत्तर लिखिए।

२.१ अपनी भाई को सन्देश एसएमएस(sms) द्वारा बेजिए कि आप क्यों कल रात घर नहीं आए। नमस्ते भैया .मुझे क्षमा कीजिए कि मैं कल रात नहीं आ पाया .यहाँ पर बहुत बरिश हुई और मेरा मित्र का गाड़ी खड़ाब हो गयी . पिर भी मैं ने बहुत कोशिश की आना के लिए . आशा है कि आप सब लोग सुरक्षित है। मेरी प्रार्थना है कि आप मुझसे कोधित न हो। मैं घर जरूर कल आवूंगा।

२.२ होली के दिन पर तैयारी।

रंगों, खुशियों और पकवानों से भरे इस होली के त्योहार को भाईचारे के त्योहार के रूप में भी जाना जाता है। इस दिन लोग अनेक रंगों और मस्ती-ठिठोरीयों के साथ होली के पावन पर्व का आगमन करते हैं। होली उत्सव के एक दिन पहले होलिका दहन मनाया जाता है जिसमे होलिका को जला कर बुराई पर अच्छाई की जीत के उदाहरण दिया जाते हैं। इस पावन मौके को लोग अपने परिवार और मित्रों के साथ मनाते हैं, कहते हैं होलिका दहन और होली के त्योहार में इतनी ताकत होती है की उस दिन लोग अपनी करवाहट भूल कर खुशियों को गले लगाते हैं। रंगबिरंगी होली

होली भारत में मनाये जाने वाला एक खुशियों और रंगों से भरा पर्व है जो हिन्दुओं द्वारा बहुत ही हसोल्लास से मनाया जाता है। इस त्योहार को मनाते हुए लोग सरे मन-मुटाव को भूल जाते हैं, और सह-परिवार इस अनोखे दिन का आगमन करते हैं। भारत के अलग-अलग जगहों में होली भिन्न-भिन्न तरिकों से मनाई जाती है। कही 'लठमार होली' प्रशिद्ध है तो 'कही फूलों से भरी होली' जग-जाहिर है। सभी लोग अपने मनचाहे तरीके से इस त्योहार की महत्ता को उजागर करते हैं। यह त्योहार अपने अनेकों रंगों और पकवानों के लिए पुरे विश्व में प्रशिद्ध है।

२.३ सूर्य उदय का वर्णन कीजिए।

सूर्य धरती को प्रकाश व ऊर्जा प्रदान करता है। इसकी रोशनी से जीवन का अस्तित्व है। ऋतुएँ भी सूर्य से पृथ्वी की दूरी के अनुसार बदलती हैं। सूर्य सदा पूर्व से उदित होता है। रात के काले आकाश को धीरे-धीरे सूर्य का प्रकाश नीला करता है। फिर उषाकाल के समय सूर्य की लाल किरणें धीरे से आकाश में फैलती हैं। तारों का अस्तित्व सूर्य के प्रकाश में गुम होने लगता है।

२.४ "स्त्री शक्ति" के बारे में पाँच वाक्य लिखिए।

नारी समाज का एक महत्वपूर्ण अंग है जिसके बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। नारी के अंदर सहनशीलता, धैर्य, प्रेम, ममता और मधुर वाणी जैसे बहुत से गुण विद्यमान हैं जो कि नारी की असली शक्ति हैं। यदि कोई नारी कुछ करने का निश्चय कर ले तो वह उस कार्य को करे बिना पीछे नहीं हटती है और वह बहुत से क्षेत्रों में पुरुषों से बेहतरीन कर अपनी शक्ति का परिचय देती है। प्राचीन काल से ही हमारे समाज में झाँसी की रानी, कल्पना चावला और इंदिरा गाँधी जैसी बहुत सी महिलाएँ रही हैं जिन्होंने समय समय पर नारी शक्ति का परिचय दिया है और समाज को बताया है कि नारी अबला नहीं सबला है। आधुनिक युग में भी महिलाओं ने अपने अधिकारों के बारे में जाना है और अपने जीवन से जुड़े निर्णय स्वयं लेने लगी हैं। आज भी महिला कोमल और मधुर ही हैं लेकिन उसने अपने अंदर की नारी शक्ति को जागृत किया है और अन्याय का विरोध करना शुरू किया है।

भाग ग

प्रश्न ३

३.१ निम्नलिखित अवतरण को अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए।

एक दिन कौरव और पांडव राजकुमार गेंद खेल रहे थे। अचानक उनकी गेंद कुएँ में गिर गई। उनकी समझ में नहीं आया कि वे उस गेंद को कैसे निकालें। वे निराश होकर कुएँ में झाँक रहे थे कि वहाँ एक अपरिचित व्यक्ति आया। उसके माथे पर तिलक लगा था और उसकी दाढ़ी सफेद और लंबी थी।

One day the kauravas and Pandavas were playing ball. Suddenly their ball fell in the well. They sadly looked into the well. When an unusual person came by. He had a dot on his forehead. His beard was white and long. They did not know how to get the ball out.

३.२ निम्नलिखित वाक्य को हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

Ganga River is a very big and sacred river of India and the second largest river in India. It originates from Gangotri, which is in the Himalayan region and flows through the hills, plains, terrains, etc. Ganga is also a trans-boundary river which flows in India as well as Bangladesh with the name of Padma. There are several legends which are associated with Ganga River which makes it as the holy and one of the most revered rivers in India. As per the Hindu mythology, Ganga river was named on Goddess Ganga who resides on the heads of Lord Shiv.

गंगा नदी भारत की एक बहुत बड़ी और पवित्र नदी है और भारत की दूसरी सबसे बड़ी नदी है। यह गंगोत्री से निकलती है, जो हिमालय क्षेत्र में है और पहाड़ियों, मैदानों, इलाकों आदि से होकर बहती है। गंगा एक ट्रांस-बाउंड्री नदी भी है जो भारत के साथ-साथ बांग्लादेश में भी पद्मा के नाम से बहती है। कई किंवदंतियाँ हैं जो हैं गंगा नदी के साथ जुड़ा हुआ है जो इसे पवित्र और भारत में सबसे सम्मानित नदियों में से एक बनाती है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, गंगा नदी का नाम देवी गंगा पर रखा गया था जो भगवान शिव के सिर पर रहती हैं।



३.३ निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

**प्रस्तावना :** महाशिवरात्रि हिन्दुओं का एक बड़ा धार्मिक त्योहार है जिसे हिन्दू धर्म के प्रमुख देवता महादेव अर्थात् शिवजी के प्रकटोत्सव के रूप में मनाया जाता है। महाशिवरात्रि का पर्व फाल्गुन मास में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाता है। इस दिन शिवभक्त एवं शिव में श्रद्धा रखने वाले लोग व्रत-उपवास रखते हैं और विशेष रूप से भगवान शिव की आराधना करते हैं।

**कैसे पड़ा महाशिवरात्रि का नाम? :** शिवपुराण के अनुसार भगवान शिव सभी जीव-जंतुओं के स्वामी एवं अधिनायक हैं। ये सभी जीव-जंतु, कीट-पतंग भगवान शिव की इच्छा से ही सब प्रकार के कार्य तथा व्यवहार किया करते हैं। शिवपुराण के अनुसार भगवान शिव वर्ष में 6 मास कैलाश पर्वत पर रहकर तपस्या में लीन रहते हैं। उनके साथ ही सभी कीड़े-मकौड़े भी अपने बिलों में बंद हो जाते हैं। उसके बाद 6 मास तक कैलाश पर्वत से उतरकर धरती पर श्मशान घाट में निवास किया करते हैं। इनके धरती पर अवतरण प्रायः फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को हुआ करता है। अवतरण का यह महान दिन शिवभक्तों में 'महाशिवरात्रि' के नाम से जाना जाता है। पौराणिक मान्यताएं : महाशिवरात्रि को लेकर भगवान शिव से जुड़ी कुछ मान्यताएं प्रचलित हैं। ऐसा माना जाता है कि इस विशेष दिन ही ब्रह्मा के रुद्र रूप में मध्यरात्रि को भगवान शंकर का अवतरण हुआ था। वहीं यह भी मान्यता है कि इसी दिन भगवान शिव ने तांडव नृत्य कर अपना तीसरा नेत्र खोला था और ब्रह्माण्ड को इस नेत्र की ज्वाला से समाप्त किया था। इसके अलावा कई स्थानों पर इस दिन को भगवान शिव के विवाह से भी जोड़ा जाता है और यह माना जाता है कि इसी पावन दिन भगवान शिव और मां पार्वती का विवाह हुआ था।

**महत्व :** वैसे तो प्रत्येक माह में एक शिवरात्रि होती है, परंतु फाल्गुन माह की कृष्ण चतुर्दशी को आने वाली इस शिवरात्रि का अत्यंत महत्व है इसलिए इसे 'महाशिवरात्रि' कहा जाता है। वास्तव में महाशिवरात्रि भगवान भोलेनाथ की आराधना का ही पर्व है, जब धर्मप्रेमी लोग महादेव का विधि-विधान के साथ पूजन-अर्चन करते हैं और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। इस दिन शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ती है, जो शिव के दर्शन-पूजन कर खुद को सौभाग्यशाली मानती है।

महाशिवरात्रि के दिन शिवजी का विभिन्न पवित्र वस्तुओं से पूजन एवं अभिषेक किया जाता है और बिल्वपत्र, धतूरा, अबीर, गुलाल, बेर, उम्बी आदि अर्पित किया जाता है। भगवान शिव को भांग बेहद प्रिय है अतः कई लोग उन्हें भांग भी चढ़ाते हैं। दिनभर उपवास रखकर पूजन करने के बाद शाम के समय फलाहार किया जाता है।

**उपसंहार :** महाशिवरात्रि के दिन जो व्यक्ति दयाभाव दिखाते हुए शिवजी की पूजा करते हैं, उन्हें मोक्ष प्राप्त होता है। वैसे भी भोलेनाथ शिवजी को जल्द ही प्रसन्न होने वाले देवता के रूप में भी माना जाता है जिनका पूजन पूरे भारत देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

[Web Duniya]

३.३.१ निम्नलिखित वाक्यों में से किया चुन कर सामने लिखिए । ४

- (क) मैंने मिठाई नहीं खरीदी ।
- (ख) वहीं खड़े होकर मिठाइयों की सुगंध का आनंद लेने लगा ।
- (ग) खुशबू लेना मिठाई खाने के बराबर ही है ।
- (घ) मेरी बनाई मिठाई ।

३.३.२ निम्न लिखित वाक्य को स्त्रीलिंग रूप में लिखिए ।

एक किसान था वह काम कर के घर लौट रहा था ।

एक किसान की पत्नी थी वह काम कर के घर लौट रही थी ।

३.३.३ इन शब्दों को बहुवचन में लिखिए

- (क) मिठाई मिठाइयों
- (ख) किसान किसान

३.३.४ अनुच्छेद में से ३ संज्ञा और ३ सर्वनाम लिखिए

- (क) संज्ञा १\_\_\_हिन्दू\_\_\_ २\_\_\_शिव\_\_\_ ३\_\_\_व्यक्ति\_\_\_
- (ख) सर्वनाम १\_\_\_उनके\_\_\_ २\_\_\_यह\_\_\_ ३\_\_\_इसके\_\_\_

३.३.५ दिए गए शब्दों को सन्धि द्वारा शब्द लिखिए ।

- (क) राजा इंद्र    राजेंद्र
- (ख) परम अणु    परमाणु
- (ग) उमा ईश    उमेश

**Total: 100 marks**